

हिन्दी गृहकार्य-

CLASS-10ABC

हमें आशा है कि आपने अपना परियोजना कार्य अवश्य ही पूर्ण कर लिया होगा। अचानक प्राप्त छुट्टियाँ सभी के लिए हर्ष का भंडार होती हैं किन्तु विद्यार्थियों के लिए इनका सदुपयोग करना परमावश्यक होता है। हमने जुलाई के प्रथम सप्ताह में जो पाठ्यक्रम आप के लिए निश्चित किया था, उसमें से कुछ अंश आपको यहाँ दिया जा रहा है ताकि आपके आने पर इन्हीं विषयों को विस्तारपूर्वक आगे बढ़ाया जा सके।

- 1। पाठ्य पुस्तक-‘कृत्तिका’ से कहानी-‘साना-साना हाथ जोड़ि’ को ध्यानपूर्वक पढ़िए। इसमें लेखिका ने अपनी यात्रा का वर्णन किया है। पढ़ते समय प्रत्येक पृष्ठ पर आपको विषय को समझने में जो भी कठिनाई हुई और जो बहुत ही रुचिकर लगा, उन सभी बिन्दुओं को लगभग 150 शब्दों में अपनी साहित्य पुस्तिका में लिखिए।
- 2। साहित्य में कविता लेखन की एक विधा है, जिसे सभी अपने-अपने दृष्टिकोण से देखते और समझते हैं। आप ‘क्षितिज’ पुस्तक से कविता-‘छाया मत छूना मन’ अपने दृष्टिकोण से समझने का प्रयत्न कीजिए और कविता का मूलभाव साहित्य पुस्तिका में लगभग 150 शब्दों में लिखिए। जब आप विद्यालय आएंगे तब हम इस पर परिचर्चा करेंगे।
- 3। ग्रीष्मावकाश से पूर्व हमने ‘श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द’ विषय पढ़ा था। उसी को दोहराते हुए ‘श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द’ विषय पर आधारित कार्यप्रपत्र से प्रश्न देखकर उसके उत्तर व्याकरण पुस्तिका में कीजिए।

हिन्दी भाषा

कार्य — प्रपत्र

कक्षा

नाम

विभाग

दिनांक

श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द

प्रश्न 1. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में इस तरह प्रयोग कीजिए कि उनका अन्तर स्पष्ट हो जाए:

1. आकर-

आकार-

2. अनु-

अणु-

3. अभिराम-

अविराम-

4. अंस-

अंश-

5. वसन-

व्यसन-

प्रश्न 2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द छोटकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:

1. हमें सदैव बड़ों का करना चाहिए । (समान, सम्मान)

2. आज भी कई स्थानों पर देवी माँ को बकरे की चढ़ाई जाती है। (बलि, बली)

3. बीमारी में पर विशेष ध्यान देना चाहिए। (पथ्य, पथ)

4. बड़ी खुशबू आ रही है, तुमने बहुत अच्छा..... लगाया है। (इतर, इत्र)

5. रवि के पास रमेश को अपराधी साबित करने के लिए कोई नहीं था। (प्रमाण, प्रणाम)

प्रश्न 3. कोष्ठक से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

- (क) सबको समझो और सबका करो। (सम्मान, समान, सामान)
- (ख) रामचरित मानस तुलसी दास जी की श्रेष्ठ है। (कृति, कृती)
- (ग) किसी भी तरह का हमारे चरित्र को दूषित कर सकता है। (व्यसन, वसन)
- (घ) वह कल इतनी जोर से कि हड्डी ही टूट गई। (गिरि, गिरी)
- (ङ) रमा और रवि का इतना गहरा था कि वह में बदल ही गया।
(प्रणय, परिणय)

प्रश्न 4. प्रत्येक वर्ग के शब्दों को पढ़िए तथा समान अर्थ वाले शब्दों को रेखा खींचकर मिलाइए-

संकर शंकर	शिव मिश्रित	बुद्धिमान स्मृति	सुधी सुधि	सृष्टि स्वर्ग	देवलोक सर्ग
सूर्य नौका	तरणि तरणी	शरीर के अवयव गोद	अंक अंग	अनु पीछे	कण अणु

प्रश्न 5. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों को शुद्ध करके लिखें।

- (क) अभिराम टी० वी० देखन के कारण उसकी आँखे खराब हो गई।
- (ख) सारा दिन कार्य करके मजदूर का अंक-अंक दुखने लगा ।
- (ग) पिता की मृत्यु के पश्चात् अचानक मिली पैतृक सम्पत्ति का सदुपयोग करने के स्थान पर महेश वसन करने लगा है।
- (घ) व्यक्ति के जीवन में जब जरा का प्रवेश हो जाता है तो वह क्षीण होने लगता है।